Ban on filling of vacancies in Government of India Printing Presses

1122. SHRIMATI USHA MALHOTRA:

SHRI BHAGATRAM MANHAR:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that instructions have been issued to the Government of India Printing Presses, banning filling of vacancies and whether these instructions also cover the resultant vacancies of operative nature, connected with the productive work in Government Presses; and

(b) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI ABDUL GAFOOR): (a) and (b) As on the anti-inflationary measures Government have decided that except in the most exceptional circumstances and except in cases where advance recruitment action has been taken, no new post should be created or existing vacancies filled up. This ban has been made applicable to both operational and non-operational posts since 1st October, 1984. These instructions apply to the Government of India Presses also.

Telecasting of Haj Programme

1123. SHRI SHAMIM AHMED SIDDIQI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state whether there is any proposal under Government's consideration to telecast "Haj programme directly from Saudi Arabia in August 1985?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI V. N. GADGIL): No, Sir.

पायरिला कीट को मारने के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव

1124. **श्री सत्य पाल मलिक** : क्या कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर भारत में पायरिला नामक कीड़े को मारने के लिए कितने प्रतिशत फसलों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया है ; और

(ख) फसलों पर इन कीटनाशक दवाओं के छिड़काव से क्या नतीजा प्राप्त हुआ है ?

ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री चंद्र लाल चन्द्राकर) : (क) पायरिला के खतरे का सामना करने के लिए उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के 91 प्रतिशत संक्रमित क्षेत्र में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव किया गया है ।

(ख) केन्द्रीय और राज्य सरकारों के अधिकारियों के संयुक्त दलों द्वारा किये गये मूल्यांकन के अनुसार कीटनाशी दवाओं के छिड़काव के पश्चात् कृमियों को नश्वरता की दर 75—90 प्रतिशत के बीच रही है जिसे बहुत ही संतोषजनक स्थिति माना गया है ।

Quality of news of Doordarshan

1125. SHRI RAOOF VALIULLAH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a statement of the Prime Minister which appeared in the Indian Express of July 13, 1985 wherein he has stated that the quality of news on Doordarshan is "terrible"; and

(b) if so, the action Government propose to take to improve the quality?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI V. N. GADGIL): (a) Yes, Sir.

(b) It has been the constant endeavour of Doordarshan to telecast latest news with maximum possible visual coverages in their news bulletins. However, at times, due to absence of microwave linkages between Delhi and other major cities in India, coverages are air freighted leading to delay. Steps have been taken to telecast latest news with the visual coverages such as deploying ENG units for coverages in the capital and adjoining regions; getting visuals via microwave (where possible) or by earliest available Indian Airlines flights; stationing of news reel Officers of Films Division at capitals of those States which do not have programme production facilities; upward revision of payment to the stringers etc.

उर्वरकों के मूल्य

1126. **श्री सत्यपाल मलिक :** क्या **कृषि और ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उर्वरकों की लागत तथा बिक्री मूल्य में कितना अन्तर है ; और

(ख) क्या यह सच है कि उर्वरकों के दाम अधिक होने के कारण, गत तीन वर्षों के दौरान उर्वरकों की खपत की प्रतिशतता में कमी हुई है ?

ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री चन्दूलाल चन्द्राकर) : (क) देश मे उर्वरकों की उत्पादन लागत एक फैक्ट्री से दूसरी फैक्ट्री और एक उत्पाद से दूसरे उत्पाद की भिन्न-भिन्न होती है । यूरिया और डी० ए० पी० का फैक्ट्री पर मूल्य (अवधारण मूल्य) की सीमा निम्न प्रकार है :—

(रुपये प्रति मीटरी टन)

उर्वरक	न्यूनतम	अधिकतम
यूरिया	1727	4337
डी० ए० पी०	3464	4835

अप्रैल—जून, 1985 की अवधि के लिये आयातित यूरिया की लागत 114.138 अमरीकी डालर प्रति मीटरी टन और डी० ए० पी० की 161—165 अमरीकी डालर प्रति मीटरी टन के बीच रही । इसमें समुद्रीय भाड़ा, सम्भाल, परिवहन और आंतरिक वितरण शुल्क शामिल नही है । उर्वरकों की विभिन्न किस्मों के नवीनतम मूल्यों को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है । ये मूल्य समूचे देश में एक समान होते हैं ।

(ख) उर्वरकों की खपत 1980—81 के 55.16 लाख मीटरी टन पोषक तत्व से बढ़ कर 1984—85 में 83.7 लाख मीटरी टन हो गई है ।

विवरण

भारत में उर्वरकों का अधिकतम बिक्री मूल्य

(रुपये प्रति मीटरी टन)

क्र०सं०	उर्वरक	खुदरा मूल्य
1	यूरिया	2150
2	डाइ-अमोनियम फास्फेट	3350